शिक्षा नीति 1986 (पूर्व में संचालित)	राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 (वर्तमान)
03 वर्षीय स्नातक पाठ्यक्रम वार्षिक प्रणाली	03/04 वर्षीय स्नातक पाठ्यक्रम सेमेस्टर प्रणाली
केडिट आधारित पाठ्यक्रम नहीं था	केडिट आधारित पाठ्यक्रम एवं अन्य संकाय के विषय चुनने की स्वतंत्रता
आंतरिक मूल्यांकन का वार्षिक अंकों में योगदान	आतंरिक मूल्यांकन में 30 एवं अंत सेमेस्टर में 70 अंकों का प्रावधान
इंटर्नशिप एवं एंट्रेप्रेन्यूरशिप की व्यवस्था नही थी	इंटर्नशिप एवं एंट्रेप्रेन्यूरशिप को पाठ्यक्रम में शामिल किया गया है।
स्नातक पाठ्यक्रम के मध्य में पढ़ाई छोड़ने पर कोई भी उपाधि नही मिलती	प्रथम वर्ष/द्वितीय वर्ष के पश्चात् पढ़ाई छोड़ने पर क्रमशः सर्टिफिकेट/डिप्लोमा की उपाधि प्राप्त होगी।
उत्तीर्ण होने के लिए मुख्य परीक्षा में कुल 33 प्रतिशत अंकों की आवश्यकता	उत्तीर्ण होने के लिए कुल 40 प्रतिशत अंकों की आवश्यकता (आतंरिक एवं बाह्य मूल्यांकन सम्मिलित कर)
03 वर्ष के पश्चात् सभी सफल विद्यार्थियों को स्नातक उपाधि	03 वर्ष के पश्चात् सफल विद्यार्थियों को स्नातक उपाधि लेने का विकल्प
आनर्स पाठ्यक्रम नही था	आनर्स/आनर्स विथ रिसर्च पाठ्यक्रम चौथे वर्ष के विद्यार्थियों के लिए विकल्प उपलब्ध होगा।

महत्वपूर्ण शब्दावली एवं उनके अर्थ

GEC	जेनेरिक इलेक्टिव कोर्सेस	कोर संकाय से भिन्न संकाय के कोर्सेस	4 केडिट
SEC	स्किल एन्हेंसमेंट कोर्सेस	संबंधित संकाय द्वारा विद्यार्थियों में कौशल विकास हेतु कोर्सेस	2 केडिट
VAC	वैल्यू एंडेड कोर्सेस	मूल्य परक कोर्सेस स्नातक विद्यार्थियों में आवश्यक मूल्यों एवं जीवन को सहज बनाने वाले कोर्सेस	2 केडिट
AEC	एबिलिटी एन्हेसमेंट कोर्सेस	आवश्यक क्षमताओं के संवर्धन हेतु विभिन्न भाषाओं व पर्यावरण से संबंधित कोर्सेस	2 केडिट

राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 के लाभ :

- विद्यार्थियों का सर्वांगीण विकास।
- मूल्य परक, कौशल विकास, क्षमता संवर्धन के साथ जेनेरिक इलेक्टिव विषय के अध्ध्यन से स्वरोजगार के अवसर में वृध्दि।
- विद्यार्थियों में आलोचनात्मक सोच, डिजिटल साक्षरता के साथ रोजगार क्षमता एवं शारीरिक विकास को बढ़ावा देते हुए भविष्य की चुनौतियों के लिए तैयार करता है।
- पूरे प्रदेश में समरूप शिक्षा होने से वनांचल एवं दूरस्थ क्षेत्रों के विद्यार्थियों को शिक्षा की मुख्यधारा में जोड़ना।

राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020

- राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 विद्यार्थियों के सर्वांगीण विकास का भाव लिए गुणवत्ता पूर्ण शिक्षा, विषय संबंधित ज्ञान के साथ कौशल विकास, मूल्यपरक तथा रोजगारोन्मुखी शिक्षा की ओर उन्मुख करती है।
- इस नीति में सतत् मूल्यांकन का प्रावधान है, जिससे विद्यार्थियों के मानसिक उर्जा के साथ बौध्दिक क्षमता में वृध्दि होगी।
- सेमेस्टर आधारित पाठ्यक्रम होने के कारण विद्यार्थियों को परीक्षा का तनाव नही होगा।
- बहु–विषयक प्रणाली पर आधारित यह नीति विद्यार्थियों को उनकी इच्छानुसार दूसरे संकाय के विषयों का अध्ययन करने की स्वतंत्रता देती है।
- पाठ्यचर्या में भारतीय ज्ञान पध्दति के समावेश के साथ पाठ्येत्तर गतिविधियों को भी पाठ्यक्रम में शामिल किया गया।
- प्रौद्योगिकी के अनुकूलतम उपयोग पर बल दिया गया है।

शासकीय विश्वनाथ यादव तामस्कर स्नातकोत्तर स्वशासी महाविद्यालय, दुर्ग (छ.ग.)

राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 के मुख्य प्रावधान

- 03/04 वर्षीय बहु–संकायी (मल्टी डिपिलिनरी) स्नातक पाठ्यक्रम
- समस्त पाठ्यक्रम सेमेस्टर परीक्षा प्रणाली तथा चॉइस बेस्ड क्रेडिट सिस्टम के अंतर्गत होंगे।
- 03/04 वर्षीय स्नातक पाठ्यक्रम को विद्यार्थी अधिकतम 07 वर्षों में पूर्ण कर सकता है।
- पाठ्यक्रम अवधि में विद्यार्थी "बहु–प्रवेश बहु निकास" प्रावधान के अंतर्गत प्रथम वर्ष पूर्ण कर किसी कारणवश पढ़ाई छोड़ देता है तो उसे उस संकाय के अंतर्गत सर्टिफिकेट दो वर्ष पूर्ण कर छोड़ने पर "डिप्लोमा" की उपाधि दी जाएगी एवं तृतीय वर्ष पूर्ण करने पर स्नातक की उपाधि प्राप्त कर पाठ्यक्रम को छोड़ सकता है।
- जिन विद्यार्थियों को विषय विशेष में विशेषज्ञता प्राप्त करने या शोध करने की इच्छा हो व पाठ्यक्रम को निरंतर चौथे वर्ष में जारी रख सकते हैं एवं ऑनर्स/ऑनर्स विथ रिसर्च की उपाधि चौथे वर्ष में प्राप्त कर सकते है।
- इस नीति के अंतर्गत बहु–विषयक शिक्षा, वैचारिक समझ एवं आलोचनात्मक शोध, नैतिक मूल्यों के साथ कौशल विकास को भी पाठ्यक्रम का हिस्सा बनाया गया है।
- सतत् आतंरिक मूल्यांकन में 30% अंक एवं अंत सेमेस्टर परीक्षा में 70% अंकों का प्रावधान रखा गया है। विद्यार्थी को उत्तीर्ण होने हेतु इन दोनों को मिलाकार (आतंरिक एवं अंत सेमेस्टर परीक्षा) कुल 40% प्राप्त करना अनिवार्य होगा।
- जेनेरिक इलेक्टिव के अंतर्गत GEC कला/विज्ञान /वाणिज्य संकाय का विद्यार्थी अपने संकाय के अतिरिक्त अन्य संकाय के किसी एक विषय को अपनी इच्छानुसार ले सकता है।
- विद्यार्थी शिक्षा के ऑनलाइन प्लेटफार्म यथा SWAYAM/MOOC/NPTELमें उपलब्ध पाठ्यक्रमों से भी विषय से संबंधित पाठ्यक्रम की पढ़ाई कर सकता है।
- स्वाध्यायी छात्रों का समयबध्द नामांकन ऑर सतत् मूल्यांकन द्वारा गुणवत्तापूर्ण शिक्षा प्रदान करना।